॥ श्री द्वारकेशो जयति ॥

तृतीय गृह (पीठ)

तृतीय गृहाधीश्वर (पीठाधीश्वर) पूज्यपाद गोस्वामी १०८
श्री व्रजेशकुमारजी महाराजश्री (कांकरोली) की
आज्ञानुसार प्रकाशित

व्रतोत्सव
(टिप्पणी)

विक्रम संवत् 2082 **सिद्धार्थी नाम संवत्सरे**
शालिवाहन शाके 1947 **- विश्वावसु नाम संवत्सरे**

वल्लभाब्द 547-548 **सन्** 2025-2026

प्राकट्योत्सव के उपलक्ष्य में आपश्री के
श्रीचरणोमें सादर दंडवत् प्रणाम

तृतीय पीठ कांकरोली अंतर्गत सभी मंदिर, संस्थाएँ एवं सेवकगण सहित
श्री वाक्पति फाउन्डेशन आपको नतमस्तक कोटी कोटी प्रणाम करता है ।

।। श्री द्वारकेशो जयति ।।

।। श्रीमद् आचार्यचरणकमलेभ्यो नमः।।

व्रतोत्सव

(टिप्पणी)

सन् 2025-2026

टिप्पणी निर्माण – संपादन

श्री बिन्दुलाल शर्मा, काँकरोली

नाम :

– सर्वाधिकार सुरक्षित

टिप्पणी प्राप्ति स्थान

पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास

श्री द्वारकाधीशजी मन्दिर, मंदिर मार्ग,काँकरोली–313324 (राजस्थान)
फोन : (02952) 230001, 230256

श्री राजाधिराज मन्दिर

श्री राजाधिराज मार्ग, मथुरा – 281001 (उत्तरप्रदेश)
फोन : (0565) 2406372

श्री बैठक मन्दिर

केवडा बाग,मदनझांपा रोड,बडौदा–390 001 (गुजरात)
फोन : (0265) 2434955

श्री द्वारकाधीश मन्दिर

बउआकी पोल, रायपुर चकला, अमदावाद–38001 (गुजरात)
फोन : (079) 22141537

श्री द्वारकाधीश सुखधाम

एडी–१, वसुंधरा सोसायटी, उमा चार रास्ता के पास,
वाघोडिया रोड, बडौदा–390019. फोन : (0265) 2524344

श्री बैठक मन्दिर

मोटा तळाव पासे,श्रीवल्लभाचार्यजी चोक,आणंद – (गुजरात)
फोन : (02692) 250712

श्री द्वारकाधीश मंदिर

नीचो भाटवाडो, वैष्णव वणिक वाडी के सामने,
महेसाणा–384001. (उ.गु.) फोन : (02762) 232222

चैत्र शुक्ल पक्ष (गुज. चैत्र सुद) संवत 2082

श्री वल्लभाब्द 547 **मार्च-अप्रैल-2025**

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	30	नूतन वर्षारम्भ, गुडी पड़वा ।
२	सोम	31	तृतीया क्षय तिथि । प्रथम गणगौर
४	मंगल	1	**अप्रैल** । द्वितीय गणगौर ।
५	बुध	2	तृतीय गणगौर ।
६	गुरु	3	षष्ठपुत्र श्री यदुनाथजी को उत्सव (1615), श्री यमुनाजी को उत्सव ।
७	शुक्र	4	--
८	शनि	5	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (नंद महोत्सव वाले) (1835), पाटोत्सव श्री द्वारकाधीशजी, बैठक मंदिर, बडौदा ।
९	रवि	6	श्री रामनवमी व्रत, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (1636) श्री बालकृष्णलालजी के तृतीय लालजी ।
१०	सोम	7	श्री रामनवमी व्रत की पारणा ।
११	मंगल	8	कामदा एकादशी व्रत । श्रीमहाप्रभुजी के उत्सव की बधाई (15 दिन)
१२	बुध	9	--
१३	गुरु	10	--
१४	शुक्र	11	--
१५	शनि	12	चैत्री पूर्णिमा, श्रीद्वारकाधीशजी का छप्पनभोग उत्सव (1981) श्री भाभीजी महाराज कृत, वैशाख स्नानारम्भ ।

वैशाख कृष्ण पक्ष (गुज. चैत्र वद) संवत 2082

श्री वल्लभाब्द 547-548 अप्रैल-2025

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत-ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	13	प्रतिपदा वृद्धि तिथि ।
१	सोम	14	मेष संक्रान्ति, श्री..प्रभु को सतुआ गोपीवल्लभ अथवा राजभोग में आरोगावे ।
२	मंगल	15	--
३	बुध	16	--
४	गुरु	17	श्री महाप्रभुजी के उत्सव की बड़ी बधाई (8 दिन)।
५	शुक्र	18	--
६	शनि	19	ग्रीष्म ऋतु प्रारंभ । जन्मदिन गो. श्री त्रिलोकीभूषणजी (श्री शिशिरकुमारजी) काँकरोली - बुरहानपुर ।
७	रवि	20	पाटोत्सव श्री विट्ठलनाथजी, नाथद्वारा । उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री मथुराधीशजी बाग में बिराजे (1966)
८	सोम	21	--
९	मंगल	22	--
१०	बुध	23	पाँच स्वरूपोत्सव ति. श्री गोवर्धनलालजी कृत ।
११	गुरु	24	महाप्रभु श्री वल्लभाचार्यचरण को उत्सव (1535), श्री वल्लभाब्द 548 प्रारम्भ, वरुथिनी एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	25	श्री पुरुषोत्तमजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१३	शनि	26	चतुर्दशी को क्षय ।
३०	रवि	27	दर्श-अमावास्या ।

वैशाख शुक्ल पक्ष (गुज. वैशाख सुद) संवत 2082

श्री वल्लभाब्द 548 **अप्रैल-मई-2025**

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	28	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (1847), छप्पनभोग उत्सव- श्री श्रीनाथजी, श्री द्वारकाधीशजी के साथ बिराजे (2050) ति. गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज कृत ।
२	मंगल	29	--
३	बुध	30	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा, जलकुम्भ दान, त्रेतायुगादि उत्सव श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज गादी बिराजे (1976) ।
४	गुरु	1	**मई ।** जन्मदिन गो. श्री पीताम्बरजी (श्री परागकुमारजी) कांकरोली - सूरत
५	शुक्र	2	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (2055), ति. गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराज कृत, चि. वेदांतकुमारजी एवं चि. सिद्धान्तकुमारजी के यज्ञोपवीत को, पाटोत्सव श्री नटवरलालजी, अहमदाबाद ।
६	शनि	3	--
७	रवि	4	--
८	सोम	5	--
९	मंगल	6	--
१०	बुध	7	--
११	गुरु	8	मोहिनी एकादशी व्रत । श्रीद्वारकेशजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१२	शुक्र	9	गो. श्री ब्रजेशकुमारजी महाराजश्री को गादी उत्सव (2037) ।
१३	शनि	10	--
१४	रवि	11	श्री नृसिंह जयंति । उत्सव श्री द्वारकेशजी (1630) श्री बालकृष्णजी के प्रथम लालजी ।
१५	सोम	12	पूर्णिमा, वैशाख स्नान समाप्ति । अन्वाधान ।

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष (गुज. वैशाख वद) **संवत 2082**

श्री वल्लभाब्द 548 **मई-2025**

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	मंगल	13	--
२	बुध	14	चार स्वरुपोत्सव ति. श्री दाउजी महाराज कृत (1966)। पाटोत्सव श्री कल्याणरायजी, बडौदा।
३	गुरु	15	श्री प्रभु के फूल के शृंगार को प्रारंभ।
४	शुक्र	16	--
५	शनि	17	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1976) श्री भाभीजी महाराज कृत।
६	रवि	18	षष्ठी वृद्धि तिथि।
६	सोम	19	सप्तमी क्षय तिथि।
८	मंगल	20	--
९	बुध	21	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (2041) ति. गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत।
१०	गुरु	22	--
११	शुक्र	23	अपरा एकादशी व्रत।
१२	शनि	24	--
१३	रवि	25	जन्मदिन गो. चि. व्रजाभरणजी (चि. कपिलकुमारजी) काँकरोली - बुरहानपुर। सूर्य रोहिणी में-आज से ज्येष्ठ शु. १२ (दि. 08-06-2024) तक श्रीप्रभु के विशेष शीतोपचार करने।
१४	सोम	26	दर्श अमावास्या।
३०	मंगल	27	भावुका अमावास्या। अन्वाधान। प्रतिपदा क्षय तिथि।

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म ऋतु : रवि उत्तरायणे
२	बुध	28	--
३	गुरु	29	--
४	शुक्र	30	श्री व्रजनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
५	शनि	31	श्री श्रीनाथजी के नाव को मनोरथ । जन्मदिन ति. गो. श्री. पुरुषोत्तमजी (श्री वागीशकुमारजी) कांकरोली (2022)
६	रवि	1	**जून** । उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी (1644) श्री बालकृष्णजी के षष्ठ लालजी ।
७	सोम	2	उत्सव श्री व्रजनाथजी (1788)
८	मंगल	3	जन्मदिन चि. श्री विट्ठलनाथजी (चि. शरणम्कुमारजी) बड़ौदा
९	बुध	4	--
१०	गुरु	5	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव
११	शुक्र	6	जन्मदिन गो. चि. प्रबोधकुमारजी मथुरा-काँकरोली । पाटोत्सव-श्री राजाधिराज प्रभु-मथुरा ।
१२	शनि	7	द्वादशी वृद्धि तिथि । निर्जला एकादशी व्रत ।
१२	रवि	8	--
१३	सोम	9	--
१४	मंगल	10	स्नान को जल भरनो, अधिवासन करनो । जन्मदिन गो. चि. व्रजालंकारजी (चि. नैमिषकुमारजी) काँकरोली-सूरत ।
१५	बुध	11	स्नानयात्रा । ज्येष्ठाभिषेक प्रातः मंगला के बाद । आज दिन भर ज्येष्ठा नक्षत्र है ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव ग्रीष्म - वर्षा ऋतु : रवि-दक्षिणायने
१	गुरु	12	--
२	शुक्र	13	--
३	शनि	14	--
४	रवि	15	--
५	सोम	16	--
६	मंगल	17	श्री द्वारकाधीशजी को खसखाना को मनोरथ, उत्सव श्री द्वारकेशजी (1964)।
७	बुध	18	--
८	गुरु	19	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (2017) गो. श्री व्रजेशकुमारजी के विवाहको, गो. श्री व्रजभूषणलालजी महाराज कृत।
९	शुक्र	20	--
१०	शनि	21	एकादशी क्षय तिथि। वर्षाऋतु प्रारंभ। दक्षिणायन आरंभ।
१२	रवि	22	योगिनी एकादशी व्रत।
१३	सोम	23	--
१४	मंगल	24	--
३०	बुध	25	दर्श अमावास्या। अन्वाधान।

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	26	--
२	शुक्र	27	--
३	शनि	28	रथयात्रा उत्सव, पुष्य नक्षत्र आज होयवे सूं।
४	रवि	29	--
५	सोम	30	श्री द्वारकाधीश प्रभु (कांकरोली) का पाटोत्सव (1720)।
६	मंगल	1	**जुलाई।** कसुम्बा छठ्ठ, षष्ठी पंडगू, श्री लक्ष्मण भट्टजी को उत्सव।
७	बुध	2	--
८	गुरु	3	जन्मदिन गो. चि. अभिषेक कुमारजी, मथुरा।
९	शुक्र	4	--
१०	शनि	5	बैंगन दशमी।
११	रवि	6	देवशयनी एकादशी व्रत, चातुर्मास्य नियमारम्भ।
१२	सोम	7	--
१३	मंगल	8	--
१४	बुध	9	जन्मदिन गो. चि. शरदकुमारजी, मथुरा।
१५	गुरु	10	व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा, पर्वात्मकोत्सव।

श्रावण कृष्ण पक्ष (गुज. आषाढ़ वद) **संवत् 2082**

श्री वल्लभाब्द 548 **जुलाई-2025**

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शुक्र	11	--
२	शनि	12	हिन्दौरा आरम्भ ।
३	रवि	13	--
४	सोम	14	जन्माष्टमी की बधाई काँकरोली (1 मास 4 दिन), श्री गोकुलचंद्रमाजी को पाटोत्सव कामवन, तथा श्री गोकुलनाथजी को पाटोत्सव गोकुल ।
५	मंगल	15	--
६	बुध	16	उत्सव श्री द्वारकाधीशजी के साथ श्री नवनीतप्रियाजी एवं श्री विठ्ठलनाथजी बाग में बिराजे (2042) ति. गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज कृत ।
७	गुरु	17	--
८	शुक्र	18	जन्माष्टमी की बधाई, नाथद्वारा ।
९	शनि	19	श्री बालकृष्णलालजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)
१०	रवि	20	--
११	सोम	21	कामिका एकादशी व्रत ।
१२	मंगल	22	त्रयोदशी क्षय तिथि । उत्सव श्री बालकृष्णलालजी (1924) तथा आप द्वारा कृत श्री द्वारकाधीशजी को दुहेरो मनोरथ ।
१४	बुध	23	--
३०	गुरु	24	हरियाली अमावास्या । दर्श अमावास्या । अन्वाधान ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शुक्र	25	--
२	शनि	26	--
३	रवि	27	ठकुरानी त्रीज, मधुश्रवा तृतीया ।
४	सोम	28	--
५	मंगल	29	नागपंचमी, श्रीजी की ऊर्ध्वभुजा के दर्शन । ऋक्-शुक्ल-यजुः श्रावणी
६	बुध	30	ऋक्-हिरण्यकेशी श्रावणी ।
७	गुरु	31	उत्सव श्री द्वारकानाथजी (1682) ।
८	शुक्र	1	**अगस्त ।** अष्टमी वृद्धि तिथि ।
८	शनि	2	--
९	रवि	3	सप्त स्वरूपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत (सं. 2023) । पाटोत्सव श्री लाडिलेशजी, सूरत ।
१०	सोम	4	--
११	मंगल	5	पुत्रदा एकादशी व्रत, पवित्रा एकादशी, श्रीनकूं पवित्रा उत्थापन/भोग-संध्या में धरावें ।
१२	बुध	6	पवित्रा बारस - गुरुनकूं पवित्रा धरावें ।
१३	गुरु	7	--
१४	शुक्र	8	--
१५	शनि	9	श्रावणी पूर्णिमा । रक्षाबंधन, प्रातः शृंगार में श्रीनकूं रक्षा धरावें । जन्माष्टमी की बड़ी बधाई । उत्सव श्रीद्वारकाधीशजी के साथ श्रीगोकुलचन्द्रमाजी, श्रीमदनमोहनजीने रक्षा धरी काँकरोली (सं.2023) । ऋक्-यजुः-अथर्व-हिरण्यकेशी तैत्तिरीय श्रावणी ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव वर्षा-शरद ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	10	पाँच स्वरुपोत्सव - काँकरोली (सं. 2023)।
२	सोम	11	हिन्दौरा विजय संध्या समय।
३	मंगल	12	कज्जली तीज।
४	बुध	13	--
६	गुरु	14	पंचमी को क्षय। श्री व्रजभूषणजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)।
७	शुक्र	15	शयन में षष्ठी को उत्सव, श्री विष्णुस्वामी प्राकट्य उत्सव।
८	शनि	16	जन्माष्टमी व्रत, श्री कृष्ण जन्मोत्सव। गो. श्री वागीशकुमारजी महाराजश्री गादी बिराजे (सं. 2080) दि. 07-09-2023
९	रवि	17	नन्द महोत्सव, उत्सव श्री व्रजभूषणजी (आसोटीया वाले) (1700)।
१०	सोम	18	--
११	मंगल	19	अजा एकादशी व्रत।
१२	बुध	20	--
१३	गुरु	21	छठ्ठी को पलना।
१४	शुक्र	22	जन्मदिन चि. अवतंशकुमारजी (मधुरम्जी)। शरद् ऋतु प्रारंभ। दर्श-पीठोरी अमावास्या।
३०	शनि	23	कुशग्रहणी अमावास्या।

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद् ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	रवि	24	श्री राधाष्टमी की बधाई (8 दिन) ।
२	सोम	25	उत्सव श्री गिरिधरलालजी (वचनामृत वाले) (1898), जन्मदिन गो चि. रणछोडरायजी (चि. अद्भयकुमारजी), कांकरोली-बुरहानपुर ।
३	मंगल	26	केवडा त्रीज । सामवेदिन की श्रावणी ।
४	बुध	27	गणेश चतुर्थी, जन्मदिन गो. चि. रत्नेशकुमारजी, मथुरा ।
५	गुरु	28	ऋषि पंचमी, द्वितीय स्वरूपोत्सव, गुप्त उत्सव ।
६	शुक्र	29	--
७	शनि	30	--
८	रवि	31	श्री राधाष्टमी ।
९	सोम	1	**सितम्बर ।** उत्सव श्री गिरिधरजी (चतुर्भुज स्वरुपवाले) (1854) । श्रीमद् भागवत सप्ताह प्रारंभ ।
१०	मंगल	2	--
११	बुध	3	परिवर्तिनी (दान) एकादशी । उत्सव श्री व्रजालंकारजी (1641) श्री बालकृष्णजी के पंचम लालजी एवं श्री पुरुषोत्तमजी लेखवाले (1714) ।
१२	गुरु	4	श्री वामन जयंति ।
१३	शुक्र	5	--
१४	शनि	6	अनन्त चतुर्दशी ।
१५	रवि	7	पूर्णिमा । श्रीमद् भागवत सप्ताह समाप्ति, साँझी को प्रारम्भ। खग्रास चंद्रग्रहण (भारत में दिखेगो) निर्णय अंत में ।

आश्विन कृष्ण पक्ष (गुज. भादरवा वद) संवत 2082

श्री वल्लभाब्द 548 सितंबर-2025

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद् ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	सोम	8	प्रतिपदा श्राद्ध । महालय श्राद्ध पक्ष आरंभ ।
२	मंगल	9	द्वितीया को श्राद्ध ।
३	बुध	10	तृतीया को श्राद्ध । चतुर्थी को श्राद्ध ।
४	गुरु	11	पंचमी को श्राद्ध ।
५	शुक्र	12	षष्ठी को श्राद्ध । उत्सव श्री हरिरायजी महाप्रभु (1647) । तृतीयपुत्र श्री बालकृष्णजी के उत्सव की बधाई (8 दिन) ।
६	शनि	13	सप्तमी क्षय तिथि । सप्तमी को श्राद्ध ।
८	रवि	14	श्री महाप्रभुजी के ज्येष्ठ पुत्र श्री गोपीनाथजी के पुत्र श्री पुरुषोत्तमजी को उत्सव (1587) । अष्टमी को श्राद्ध ।
९	सोम	15	नवमी को श्राद्ध । अविधवा नवमी । श्री गोपीनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१०	मंगल	16	दशमी को श्राद्ध ।
११	बुध	17	इन्दिरा एकादशी व्रत । एकादशी को श्राद्ध ।
१२	गुरु	18	द्वादशी को श्राद्ध । उत्सव श्री गोपीनाथजी (1567) ।
१३	शुक्र	19	त्रयोदशी श्राद्ध । उत्सव तृतीय पुत्र श्री बालकृष्णलालजी (1606) ।
१४	शनि	20	चतुर्दशी श्राद्ध । शस्त्रहतन को श्राद्ध ।
३०	रवि	21	सर्वपितृ दर्श अमावास्या, अमावास्या श्राद्ध, साँझी की समाप्ति, कोट की आरती ।

विशेष : पूर्णिमा को श्राद्ध द्वादशी, ९ सोमवार, ५ शुक्रवार अमावस्या को कोई भी दिन कर सकें ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद् ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	सोम	22	नवरात्रि प्रारम्भ, अंकुरारोपण । मातामह श्राद्ध जन्मदिन गो. चि प्रणयकुमारजी मथुरा ।
२	मंगल	23	--
३	बुध	24	तृतीया की वृद्धि । जन्मदिन गो. श्री ऋषभबावा (चि. यदुनाथजी) मथुरा ।
३	गुरु	25	--
४	शुक्र	26	--
५	शनि	27	--
६	रवि	28	--
७	सोम	29	सरस्वती आवाहन ।
८	मंगल	30	सरस्वती पूजन ।
९	बुध	1	**अक्टूबर** । जन्मदिन गो. श्री रविकुमारजी, काँकरोली ।
१०	गुरु	2	विजयादशमी, सरस्वती विसर्जन प्रातः ९.५० । (दशहरा), अंकुरार्पण भोग-सन्ध्या में, श्री..जीने प्रति वर्ष आज के दिन काँकरोली पधारने को वचन दियो ।
११	शुक्र	3	पाशांकुशा एकादशी व्रत ।
१२	शनि	4	--
१३	रवि	5	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1942) श्री बालकृष्णलालजी महाराज कृत, पाटोत्सव श्री बालकृष्णजी सूरत ।
१४	सोम	6	शरद पूर्णिमा-रासोत्सव ।
१५	मंगल	7	प्रतिपदा क्षय तिथि । कार्तिक स्नानारम्भ । दिन की शरद ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद् ऋतु : रवि दक्षिणायने
२	बुध	8	श्रीगिरिधरजी के उत्सव की बधाई (४ दिन)
३	गुरु	9	--
४	शुक्र	10	--
५	शनि	11	उत्सव श्री गिरिधरजी (भवाईवाले) (1745)।
६	रवि	12	--
७	सोम	13	प्रथम नोमहला, गादी उत्सव श्री बालकृष्णलालजी (1936)।
८	मंगल	14	द्वितीय नोमहला।
९	बुध	15	तृतीय नोमहला।
१०	गुरु	16	--
११	शुक्र	17	रमा एकादशी व्रत, दीपावली की बधाई। गोवत्स द्वादशी।
१२	शनि	18	--
१३	रवि	19	धन त्रयोदशी।
१४	सोम	20	रूप चतुर्दशी, अभ्यंग स्नान। दीपावली, लक्ष्मी पूजन, कानजगाई।
३०	मंगल	21	दर्श अमावास्या। गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव। (गुजराती वर्ष वि. सं. 2081 समाप्त)

कार्तिक शुक्ल पक्ष (गुज. कार्तक सुद) संवत 2082

श्री वल्लभाब्द 548 **अक्टूबर-नवम्बर-2025**

तिथि	वार	दि.	उत्सव शरद् - हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	बुध	22	गुर्जराणां नूतनवर्ष सं. 2082 प्रारंभ ।
२	गुरु	23	यमद्वितीया, भाईदूज, अभ्यंग । हेमन्त ऋतु प्रारंभ ।
३	शुक्र	24	--
४	शनि	25	--
५	रवि	26	लाभ पंचमी, जन्मदिन गो. चि. ब्रजभूषणजी, मथुरा-काँकरोली
६	सोम	27	षष्ठी वृद्धि तिथि । उत्सव श्रीमदनमोहनजी (कामवन) काँकरोली पधारे (2039) ।
६	मंगल	28	--
७	बुध	29	--
८	गुरु	30	गोपाष्टमी ।
९	शुक्र	31	अक्षयनवमी, कुष्माण्डदान, कृतयुगादि, उत्सव श्री व्रजनाथजी (1632), श्रीबालकृष्णजी के द्वितीय लालजी, छप्पनभोग उत्सव श्रीद्वारकाधीशजी को गोस्वामी श्रीव्रजेशकुमारजी महाराज कृत संवत (सं. 2049), तृतीय गृह महामहोत्सवः अलौकिक छप्पनभोग उत्सव-श्रीद्वारकाधीशजी, श्रीमदनमोहनजी, श्रीलाडिलेशजी एवं श्री मथुराधीशजी साथ बिराजे विट्ठल विलास बाग में ति. गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराज एवं गो. श्रीपरागकुमारजी महाराज कृत (2064) (दि. 19-11-2007) ।
१०	शनि	1	**नवम्बर** । उत्सव श्री बालकृष्णजी (सूरत) काँकरोली पधारे (२०४२) ।
११	रवि	2	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) 11 व्रत । देवोत्थापन सायं भोग संध्या में । उत्सव प्रथम पुत्र श्री गिरिधरजी (1597) एवं पंचम पुत्र श्रीरघुनाथजी (1611) । द्वादशी को क्षय होय वे सूं आज ।
१३	सोम	3	जन्मदिन गो. चि. श्री विट्ठलनाथजी (चि. सिद्धान्तकुमारजी) काँकरोली (2050) ।
१४	मंगल	4	--
१५	बुध	5	चार स्वरूपोत्सव ति. श्री गोविन्दलालजी महाराज कृत, कार्तिक स्नान समाप्ति । गोपूमासारंभ, व्रतचर्या ।

मार्गशीर्ष कृष्ण पक्ष (गुज. कार्तक वद) **संवत 2082**

श्री वल्लभाब्द 548 **नवम्बर-2025**

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	गुरु	6	--
२	शुक्र	7	--
३	शनि	8	छः स्वरूपोत्सव ति. श्री दाऊजी महाराज कृत । जन्मदिन गो. श्री द्वारकेशलालजी, बडौदा । चतुर्थी को क्षय होय वे सूं आज ।
५	रवि	9	श्री गिरिधरलालजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
६	सोम	10	--
७	मंगल	11	--
८	बुध	12	उत्सव द्वितीय पुत्र श्री गोविन्दरायजी (1599) एवं उत्सव श्री गिरिधरलालजी (आसोटीया वाले) (1662) ।
९	गुरु	13	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1994) श्री ब्रजभूषणलालजी महाराज कृत, जन्मदिन गो. चि. ब्रजभूषणजी (चि. वेदान्तकुमारजी) काँकरोली (2046) ।
१०	शुक्र	14	--
११	शनि	15	उत्पत्ति एकादशी व्रत । श्रीगोकुलनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१२	रवि	16	--
१३	सोम	17	त्रयोदशी वृद्धि तिथि । उत्सव सप्तमपुत्र श्री घनश्यामजी (1628) ।
१३	मंगल	18	--
१४	बुध	19	दर्श अमावास्या । उत्सव श्री गोकुलनाथजी (1821)
३०	गुरु	20	अन्वाधान ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शुक्र	21	--
२	शनि	22	2048 में श्री कल्याणरायजी बैठक मंदिर पधारे छप्पनभोग आरोगे श्री व्रजेशकुमारजी कृत, उत्सव श्री ब्रजभूषणजी (नीतिवाले) (1765), छप्पनभोग उत्सव श्रीद्वारकाधीशजी, श्रीनवनीतप्रियाजी, श्रीविट्ठलनाथजी, श्रीकल्याणरायजी, श्रीमथुराधीशजी विट्ठल विलास बाग में पधारे ति. गोस्वामी व्रजेशकुमारजी एवं गोस्वामी श्रीद्वारकेशलालजी महाराज कृत (2065) (दि. 29-11-2008)।
३	रवि	23	--
४	सोम	24	उत्सव श्री मथुराधीशजी काँकरोली पधारे (1965)
५	मंगल	25	पाटोत्सव श्री मदनमोहनजी, कामवन।
६	बुध	26	--
७	गुरु	27	उत्सव चतुर्थ पुत्र श्री गोकुलनाथजी (1608) श्री गुसांईजी के उत्सव की बधाई (17 दिन)।
८	शुक्र	28	सप्तस्वरुपोत्सव ति. श्री गोवर्धनेशजी मा. कृत।
९	शनि	29	--
१०	रवि	30	--
११	सोम	1	**दिसंबर।** मोक्षदा एकादशी व्रत।
१२	मंगल	2	--
१३	बुध	3	--
१४	गुरु	4	पूर्णिमा क्षय तिथि। श्री श्रीनाथजी को छप्पनभोग उत्सव, श्री बलदेवजी को उत्सव कितने माने हैं, गोपमास समाप्ति।

पौष कृष्ण पक्ष (गुज. मागशर वद) **संवत 2082**

श्री वल्लभाब्द 548 **दिसंबर-2025**

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमन्त ऋतु : रवि दक्षिणायने
१	शुक्र	5	पाटोत्सव श्री लाडिलेशजी, बुरहानपुर ।
२	शनि	6	जन्मदिन गो. चि विट्ठलनाथजी (चि. श्लोकबावा) कांकरोली । श्री गुसांईजी के उत्सव की बड़ी बधाई (8 दिन)
३	रवि	7	--
४	सोम	8	--
५	मंगल	9	--
६	बुध	10	--
७	गुरु	11	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1895) श्री पुरुषोत्तमजी कृत एवं छप्पनभोग उत्सव (2081) श्री वागीशकुमारजी कृत (दि. 22-12-2024)
८	शुक्र	12	--
९	शनि	13	श्रीमत्प्रभुचरण श्री विट्ठलनाथजी (गुसांईजी) को प्रादुर्भाव महोत्सव (1572) ।
१०	रवि	14	--
११	सोम	15	सफला एकादशी व्रत । श्री विट्ठलनाथजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) । धनुर्मास आरंभ ।
१२	मंगल	16	--
१३	बुध	17	--
१४	गुरु	18	उत्सव श्री विट्ठलनाथजी (1811) ।
३०	शुक्र	19	अमावास्या वृद्धि तिथि । दर्श अमावास्या । जन्मदिन गो. चि. विशालकुमारजी, नाथद्वारा ।
३०	शनि	20	इष्टि ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव हेमन्त-शिशिर ऋतु : रवि दक्षिणायने-उत्तरायणे
१	रवि	21	शिशिर ऋतु आरंभ
२	सोम	22	--
३	मंगल	23	छप्पनभोग उत्सव, गो. श्री व्रजेशकुमारजी महाराजश्री की षष्ठीपूर्ति को बडौदा में 100 स्वरूप को (सं. 2056)।
४	बुध	24	--
५	गुरु	25	जन्मदिन गो. संजीवकुमारजी, काँकरोली।
६	शुक्र	26	--
७	शनि	27	गो. श्री व्रजेशकुमारजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)
८	रवि	28	--
९	सोम	29	--
१०	मंगल	30	एकादशी क्षय तिथि। उत्सव गो. श्री बालकृष्णलालजी महाराज (श्री व्रजेशकुमारजी) कांकरोली (1996)।
१२	बुध	31	पुत्रदा एकादशी व्रत।
१३	गुरु	1	**जनवरी-2026।**
१४	शुक्र	2	--
१५	शनि	3	माघस्नानारंभ, अन्वाधान।

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	रवि	4	--
२	सोम	5	--
३	मंगल	6	चतुर्थी क्षय तिथि । गुप्त उत्सव, उत्सव श्रीगोकुलचन्द्रमाजी (कामवन) कांकरोली पधारे (ति. गो. श्रीव्रजेशकुमारजी कृत-सं. 2070) चतुर्थी को क्षय होय वे सूं आज ।
५	बुध	7	--
६	गुरु	8	--
७	शुक्र	9	सप्तमी वृद्धि तिथि ।
७	शनि	10	--
८	रवि	11	--
९	सोम	12	उत्सव श्री विट्ठलनाथजी (श्री काकाजी) (1970) काँकरोली मथुरा ।
१०	मंगल	13	भोगी उत्सव ।
११	बुध	14	श्री मदनमोहनजी - कामवन, काँकरोली पधारे (2056) । षट्तिला एकादशी व्रत । मकर संक्रान्ति, पुण्यकाल १५:०८ से सूर्यास्त पर्यन्त । तिलवा उत्थापन भोग में आरोगे ।
१२	गुरु	15	--
१३	शुक्र	16	--
१४	शनि	17	--
३०	रवि	18	दर्श अमावास्या, अन्वाधान ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	19	--
२	मंगल	20	--
३	बुध	21	--
४	गुरु	22	पाटोत्सव श्री मुकुन्दरायजी, काशी ।
५	शुक्र	23	वसन्त पंचमी ।
६	शनि	24	--
७	रवि	25	--
८	सोम	26	--
९	मंगल	27	--
१०	बुध	28	--
११	गुरु	29	जया एकादशी व्रत ।
१२	शुक्र	30	--
१३	शनि	31	चतुर्दशी क्षय तिथि । श्री व्रजभूषणजी के उत्सव की बधाई (4 दिन) ।
१५	रवि	1	**फरवरी ।** माघी पूर्णिमा । होरी डन्डा रोपण आज सायं ६.१८ पीछे । शयनभोग धरके करनो । माघ स्नान समाप्ति ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	सोम	2	श्री गिरिधरलालजी के उत्सव की बधाई (4 दिन)
२	मंगल	3	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (पक्षीवाले दादाजी) (1968)
३	बुध	4	--
४	गुरु	5	गादी उत्सव श्री गिरिधरलालजी महाराज (वचनामृतवाले) (1908), जन्मदिन प्रियम बावा गो. श्री रविकुमारजी के लालजी, काँकरोली-बडौदा ।
५	शुक्र	6	--
६	शनि	7	--
७	रवि	8	श्री श्रीनाथजी को पाटोत्सव, नाथद्वारा ।
८	सोम	9	अष्टमी वृद्धि तिथि ।
८	मंगल	10	--
९	बुध	11	जन्मदिन गो. चि. गोपाललालजी, मथुरा ।
१०	गुरु	12	--
११	शुक्र	13	विजया एकादशी व्रत । जन्मदिन गो. श्री पुरुषोत्तमज़ी (चि. अक्षतबावा) मथुरा ।
१२	शनि	14	जन्मदिन गो. चि. वल्लभलालजी । (चि. आश्रयकुमारजी) बडौदा,
१३	रवि	15	शिव रात्रि ।
१४	सोम	16	--
३०	मंगल	17	दर्श आमावास्या, अन्वाधान । द्वापर युगादि ।

तिथि	वार	दि.	उत्सव शिशिर - वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	18	वसंत ऋतु प्रारंभ ।
२	गुरु	19	--
३	शुक्र	20	--
४	शनि	21	--
५	रवि	22	--
६	सोम	23	सप्तमी क्षय तिथि । पाटोत्सव श्री मथुरेशजी-कोटा, जन्मदिन ति. गो. श्री इन्द्रदमनजी (राकेशकुमारजी), नाथद्वारा, जन्मदिन चि. ब्रजरायजी, मथुरा (सप्तमी को क्षय होय वे सूं आज) ।
८	मंगल	24	होलकाष्टकारम्भ ।
९	बुध	25	--
१०	गुरु	26	--
११	शुक्र	27	आमलकी एकादशी व्रत, कुंज एकादशी ।
१२	शनि	28	जन्मदिन गो. चि. अलंकारजी, मथुरा ।
१३	रवि	1	**मार्च** । चौरासी स्तम्भ बगीचा, काँकरोली ।
१४	सोम	2	होलिकोत्सव होली को श्रृंगार ।
१५	मंगल	3	होलिका प्रदीपन मंगल भोग धरके सूर्योदय (7:01) सूं पूर्व । धूलि वंदन, धुरेण्डी । दोलोत्सव । होलिकाष्टक समाप्त । खग्रास चंद्रग्रहण (विवरण / निर्णय अंत में)

तिथि	वार	दि.	उत्सव वसंत ऋतु : रवि उत्तरायणे
१	बुध	4	उत्सव श्री पीताम्बरजी (1639), श्री बालकृष्णजी के चतुर्थ लालजी। द्वितीया पाट।
२	गुरु	5	--
३	शुक्र	6	--
४	शनि	7	--
५	रवि	8	रंगपंचमी।
६	सोम	9	--
७	मंगल	10	--
८	बुध	11	--
९	गुरु	12	गुप्त उत्सव।
१०	शुक्र	13	श्री द्वारकाधीशजी को छप्पनभोग उत्सव (1951) श्री बालकृष्णलालजी कृत। दशमी वृद्धि तिथि।
१०	शनि	14	--
११	रवि	15	पापमोचनी एकादशी व्रत।
१२	सोम	16	--
१३	मंगल	17	--
१४	बुध	18	दर्श अमावास्या।
३०	गुरु	19	प्रतिपदा क्षय तिथि। चैत्र नवरात्र प्रारंभ। गुडी पडवो। संवत्सरोत्सव (प्रतिपदा को क्षय होयवे सूं आज) व्रज वि. सं. 2082 एवं शालिवाहन शक 1947 समाप्त। वर्षे हर्षः प्रकर्षः स्यात्।

संवत् २०८२ के भारत में दिखाई देनेवाले ग्रहण

(१) खग्रास चंद्रग्रहण :

संवत् २०८२ भादरवा सुद १५, रविवार, दि. ७-९-२०२५

ग्रहण को समय (भारतीय स्टा. समय अनुसार)

ग्रहण को वेध दि. ७-९-२०२५ को १२.५७ बजे से आरंभ होगा ।

स्पर्श रात्रि	मध्य रात्रि	मोक्ष रात्रि	पर्वकाल
२१.५७	२३.४१	२५.२७ (रात्रि ०१.२७ बजे)	३.३०
दि. ०७	दि. ०७	दि. ०८	

ग्रहण वेध

- संवत् २०८२, भादरवा सुद १५ रविवार दिनांक ७-९-२०२५ के क. १२.५७ बजे सूं वेध लगे । या समय पूर्व ही खायो जायगो । रात्रि के २०.५३ बजे तक जलपान हो सकेगो । छोटे बालक, वृद्ध, रोगी, रात्रि के १९.३३ पूर्व पर्यन्त भोजन ले सकेंगे ।

सेवा क्रम

वि.सं. २०८२, भादरवा सुद-१५, रविवार दि. ७-९-२०२५ के दिन सुबह क. ११.०० बजे तक राजभोग आर्ति करके अनोसर पर्यन्त का सेवाक्रम उस प्रकार संपन्न करना जिससे सेवा करनेवाले लोग वेध लगने से पूर्व प्रसाद ग्रहण कर भोजन करके निवृत्त हो सके । मध्याह्न क. १६.०० तक शयन का शयनार्ति तक का क्रम करके श्रीप्रभु को पोढा देना । शयन की सखडी गौमाता को पधरावे । क. २१.५७ को श्री प्रभु के पाससे झारी-बंटा सरा कर सूका मेवा का डबरा पधराना और ग्रहण लगने के १० मि. पूर्व श्रीप्रभु को ग्रहण में बिराजमान करने । उसके बाद ग्रहण मध्य में क. २३.४१ के पश्चात् ग्रहण का

श्रीप्रभु के ओर से दान का संकल्प करना । ग्रहण मोक्ष के समय मध्य रात्रि को क. ०१.२७ के बाद स्वयं स्नानादि से निवृत्त होकर जनेऊ-कंठी नये धारण करके श्रीप्रभु को रेशमी पट्टवस्त्रसे पधराकर उष्णजल से स्नान कराना । उसके बाद ग्रहण के बाद का भोग धरना, भोग सराकर श्रीप्रभु को पोढाने ।

	ग्रहण को शुभाशुभ फल	
क्रम सं.	राशियाँ	फल
१.	मेष, वृषभ, कन्या, धनु	शुभ
२.	मिथुन, सिंह, तुला, मकर	मध्यम
३.	कर्क, वृश्चिक, कुंभ मीन	अशुभ

यह ग्रहण कुंभ राशि और शतभिषा नक्षत्र में होनेवाला होने से उनके लिए विशेष अशुभ होनेसे उन सभी को विशेष जप-पाठ-दान पुण्यादि करने तथा विशेष भगवन्नाम लेना ।

संकल्प

'स्वेष्टदेवं स्मृत्वा । हस्ते साक्षतं जलं गृहीत्वा । विष्णुर्विष्णुर्विष्णुः श्रीमद् भगवतो महापुरुषस्य विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य अद्य श्री ब्रह्मणोदिन द्वितीये परार्द्धे श्रीश्वेतवाराह कल्पे वैवस्वतमन्वन्तरे अष्टाविंशतितमेयुगेकलियुगे कलिप्रथम चरणे भूर्लोके भरतखण्डे आर्यावर्तान्तर्गतब्रह्मावर्तैकदेशे बौद्धावतारे प्रवर्तमाने वैक्रमे संवत्सरे दक्षिणायने शरद ऋतौ शुभे भाद्रपद मासे शुभे शुक्लपक्षे पूर्णिमायां तिथौ रविवासरे शततारा नक्षत्रे उपरि पूर्वा भाद्रपद नक्षत्रे सुकर्मा तदुपरि धृति नामयोगे विष्टि उपरि बव नाम करणे कुंभ राशि स्थिते चन्द्रे सिंह राशि स्थिते श्रीसूर्ये मिथुन राशिस्थिते देवगुरौ शेषेषु ग्रहेषु यथायथा राशिस्थानस्थितेषु सत्सु एवं ग्रह गुणगण विशेषण विशिष्टायाम् शुभपुण्यतिथौ श्रीमन्नन्दराजकुमारस्य राहुग्रस्ते चन्द्रे महापर्वपुण्यकाले सर्वारिष्ट निवृत्यर्थं शुभस्थान

स्थितिवत् शुभफल प्राप्त्यर्थं कृषरान्नदानं तण्डुल घृत लवण सहितं छायापात्रदानं रौप्यसुवर्णमय चन्द्र बिम्ब नागसहितं गोनिष्क्रयीभूतं द्रव्यं च दास्ये ।

संकल्प का जल रखना, तत्पश्चात् दान की सभी सामग्री के उपर गंध (कुंकुम) अक्षत चढाने ।

'दान देवताभ्यो नमः । गन्धाक्षतैः सम्पूजयामि । नमस्करोमि । '
तमोमय महाभीम सोमसूर्य विमर्दन ।
हेमतार प्रदानेन मम शान्तिप्रदो भव ।।
विधुन्तुद नमस्तुभ्यं सिंहिकानन्दनाच्युत ।
दानेनानेन नागस्य रक्ष मां वेधजाद् भयात् ।।

छाया पात्र में मुखदर्शन के बाद फिर से संकल्प हाथ में जल तथा पीताक्षत लेकर

अद्य पूर्वोच्चारित शुभपुण्यतिथौ राहुग्रस्ते चन्द्रे इमानि दानानि सुपूजितानि सदक्षिणानि यथानाम गोत्राय ब्राह्मणाय दातुमहमुत्सृजे तेन श्रीगोपीजन वल्लभः प्रियतां न मम ।।

(ऊपर संकल्प में ..... लाईन की हुई है उन शब्दों की जगह नीचे दिए अनुसार शब्द बोलना और इस तरह ऊपर के मुख्य संकल्प के बाद हाथ में तीन बार जल पीताक्षत लेकर नीचे अनुसार संकल्प करना ।)

१. गोनिष्क्रयभूतं मनसोद्दिष्टं द्रव्यं

२. ब्राह्मण भोजन निष्क्रयभूतं द्रव्यं

३. भूयसीं दक्षिणां

******

(२) ग्रस्तोदित चंद्रग्रहण :

वि.सं. २०८२, फाल्गुन शुक्ल १५ मंगलवार ता. ३ मार्च २०२६ के दिन ग्रस्तोदित चंद्रग्रहण है। चंद्रग्रहण का स्पर्श मोक्ष सर्वत्र समान होता है। यह ग्रहण उक्त पूर्णिमा के दिन दोपहर घंटा ०३ मिनिट २० पर प्रारंभ होकर सायं घंटा ०६ मिनट ४७ पे समाप्त हो जायेगा। यह ग्रहण खग्रास है अतः भारत के पूर्वी सीमांत से दार्जिलिंग एवं कलकत्ता से कुछ पूर्व तक ग्रस्तोदित खग्रास दिखेगा। ततः दार्जिलिंग कलकत्ता के बाद गुजरात पूर्व तक पूरे भारत में ग्रस्तोदित खंडग्रास दिखेगा। बाड़मेर के बाद शेष पश्चिमी राजस्थान, भुज, कच्छ, पूर्व प्रांतीय गुजरात के अत्यल्प कुछ भाग को छोड़कर शेष पूरे गुजरात, सूरत, वापी, वलसाड, मुंबई तक पश्चिम प्रांतीय प्रदेशों में यह ग्रहण मान्द्य तथा अंगुलाल्प होने से दृश्य नहीं है अतः वहां पालने का नहीं है।

ता. ३ मार्च २०२६ को इस ग्रहण की समाप्ति सायं घंटा ०६ मिनिट ४७ पर है अतः जहां चंद्रोदय सायं ०६ : ४७ या उसके बाद होगा वहां यह ग्रहण मांद्य होने से दृश्य नहीं होगा, अतः वहां पालने का नहीं है।

(विशेष - जहां चन्द्रोदय, ग्रहण समाप्ति सायं ०६:४७ से पांच छह मिनट पूर्व तक में होगा वहां भी यह ग्रहण पालने का नहीं है क्योंकि वहां यह ग्रहण अंगुलाल्प अनादेश्य होगा - यह मत सूर्यसिद्धान्त, आर्यभट्ट महासिद्धान्त, वृद्ध वशिष्ठ, लल्लाचार्य, भास्कराचार्य, गणेश दैवज्ञ, आदि आर्ष और आर्षतुल्य ग्रन्थकारों का है अतः इस पक्ष को मानना भी शास्त्रोक्त है।)

इस ग्रहण के दृश्य होने या दृश्य न होने के संदर्भ में निम्न नकशे दृष्टव्य हैं।

उपर्युक्त नकशे में C - D लाइन तक भारत के गहरे काले रंग वाले भाग में खग्रास (ग्रस्तोदित) चन्द्रग्रहण है। जो वहाँ दृश्य है। ततः C - D लाइन से पश्चिम में A - B लाइन तक भारत के हल्के काले रंग वाले भाग में खंडग्रास (ग्रस्तोदित) चन्द्रग्रहण है। जो वहां दृश्य है। परंतु A - B लाइन से पश्चिम में भारत के सफेद रंग वाले भाग में यह ग्रहण दृश्य नहीं है अतः वहाँ पालने का नहीं है।

''मेवाड़ विजय पंचांग'' एवं अन्य सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार कुछ स्थानों के नाम यहाँ दिये जा रहे हैं, जहां यह ग्रहण नहीं दिखेगा।

अहमदाबाद, उदयपुर, बड़ौदा, सूरत, मुंबई, अजमेर, दिल्ली, जयपुर, इत्यादि।

जिन स्थानों पर ग्रहण दिखेगा वहाँ ग्रहण के सूतक आदि नियम पालने होंगे, जिसका विवरण निम्नानुसार है।

दिनांक ०३-०३-२०२६, फाल्गुन शु. १५ मंगलवार

वेध :- सुबह ०६:२० बजे से

स्पर्श :- दोपहर ०३:२० बजे

मध्य :- सायं ०५:०५ बजे

मोक्ष :- सायं ०६:४८ बजे

संवत् 2082 वर्ष भर की एकादशी (गुर्जर मास प्रमाण)

दिनांक	वार	तिथि	एकादशी
08-04-2025	मंगलवार	चैत्र सुद	कामदा एकादशी
24-04-2025	गुरुवार	चैत्र वद	वरुथिनी एकादशी
08-05-2025	गुरुवार	वैशाख सुद	मोहिनी एकादशी
23-05-2025	शुक्रवार	वैशाख वद	अपरा एकादशी
07-06-2025	शनिवार	ज्येष्ठ सुद	निर्जला एकादशी
22-06-2025	रविवार	ज्येष्ठ वद	योगिनी एकादशी
06-07-2025	रविवार	अषाढ सुद	देवशयनी एकादशी
21-07-2025	सोमवार	अषाढ वद	कामिका एकादशी
05-08-2025	मंगलवार	श्रावण सुद	पुत्रदा (पवित्रा) एकादशी
19-08-2025	मंगलवार	श्रावण वद	अजा एकादशी
03-09-2025	बुधवार	भादरवा सुद	परिवर्तिनी (दान) एकादशी
17-09-2025	बुधवार	भादरवा वद	इन्दिरा एकादशी
03-10-2025	शुक्रवार	आसो सुद	पाशांकुशा एकादशी
17-10-2025	शुक्रवार	आसो वद	रमा एकादशी
02-11-2025	रविवार	कार्तक सुद	देव प्रबोधिनी एकादशी (तुलसी विवाह)
15-11-2025	शनिवार	कार्तक वद	उत्पत्ति एकादशी
01-12-2025	सोमवार	मागशर सुद	मोक्षदा एकादशी
15-12-2025	गुरुवार	मागशर वद	सफला एकादशी
31-12-2025	बुधवार	पोष सुद	पुत्रदा एकादशी
14-01-2026	बुधवार	पोष वद	षट्तिला एकादशी
29-01-2026	गुरुवार	महा सुद	जया एकादशी
13-02-2026	शुक्रवार	महा वद	विजया एकादशी
27-02-2026	शुक्रवार	फागण सुद	आमलकी (कुंज) एकादशी
15-03-2026	रविवार	फागण वद	पापमोचनी एकादशी

तृतीय गृह सेवा-प्रणाली अनुसार
विशिष्ट उत्सवों के सेवाक्रम का मार्गदर्शन (गुर्जर मास प्रमाण)

दिनांक	वार	तिथि	उत्सव एवं समय
06-04-25	रवि	चै. सुद-९	श्री रामनवमी व्रत - सुबह मंगला आरती पीछे श्री..को पंचामृत होय। जन्म को पंचामृत राजभोग समय में।
24-04-25	गुरु	चै. वद-११	महाप्रभु श्रीवल्लभाचार्यजी को उत्सव - तिलक राजभोग समय में।
30-04-25	बुध	वै. सुद-३	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा - चन्दन को अधिवासन राजभोग आये बाद, चन्दन राजभोग दर्शनमें धरें।
11-05-25	रवि	वै. सुद-१४	नृसिंह जयन्ती - जन्म को पंचामृत शयन समय। शृंगार शयन दर्शन मंगल भये पाछे बड़े होय।
11-06-25	बुध	जे. सुद-१५	ज्येष्ठाभिषेक, स्नानयात्रा - अभिषेक मंगला आरती पीछे।
28-06-25	शनि	अ. सुद-३	रथयात्रा - राजभोग आरती भीतर होय पाछे रथमें बिराजे।
12-07-25	शनि	अ. वद-२	हिन्दौरा आरंभ - संध्या समय।
05-08-25	मंगल	श्रा. सुद-११	पवित्रा एकादशी - पवित्रा उत्थापन/भोग संध्या में धरावें।
09-08-25	शनि	श्रा. सुद-१५	रक्षाबंधन - रक्षा शृंगार में धरे।
11-08-25	सोम	श्रा. वद-२	हिन्दौरा विजय।
16-08-25	शनि	श्रा. वद-८	जन्माष्टमी व्रत, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव - श्री..को पंचामृत मंगला आरती पीछे। शृंगार समय तिलक। जन्म को पंचामृत मध्य रात्रि समय।
17-08-25	रवि	श्रा. वद-९	नन्द महोत्सव - पलना सूं विजय होय भीतर पधारे तो पाछे नवमी को सेवाक्रम प्रारंभ होय।

04-09-25	गुरु	भा. सुद-१२	वामन जयंति - जन्म को पंचामृत राजभोग समय ।
19-09-25	शुक्र	भा. वद-१३	तृ. पु. श्री बालकृष्णलालजी को उत्सव - राजभोग समय श्री..को तिलक होय ।
02-10-25	गुरु	आसो सु-१०	विजया दशमी, भोग संध्या में अंकुरार्पण होय
21-10-25	मंगल	आसो वद-३०	अन्नकूटोत्सव, गोवर्धन पूजा - राजभोग आरती पाछे गोवर्धन पूजा करवे पधारे । ता पाछे अन्नकूट को क्रम होय ।
23-10-25	गुरु	का. सुद-२	भाईदूज - राजभोग में सखड़ी को थाल साजकर श्री..को भीतर तिलक होय ।
02-11-25	रवि	का. सुद-११	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) देवोत्थापन सायं भोग-संध्या में
13-12-25	शनि	माग. वद-९	श्री विट्ठलनाथजी (गुसांईजीको उत्सव) - राजभोग समय श्री..कूं तिलक होय ।
23-01-26	शुक्र	महा सुद-५	वसंत पंचमी - कलश को अधिवासन राजभोग आये पाछे । आज सूं दोलोत्सव पर्यंत राजभोग समय खेल होय ।
03-02-26	मंगल	महा वद-२	श्री व्रजभूषणजी को उत्सव - शयन समय राल उड़े ।
08-02-26	रवि	महा वद-७	श्री श्रीनाथजी को पाटोत्सव-शयन समय राल उड़े ।
24-02-26	मंगल	फाग सुद-८	होलकाष्टकारम्भ - शयन समय राल उड़े ।
27-02-26	शुक्र	फाग सुद-११	आमलकी कुंज एकादशी आज सूं होलिका प्रदीपन तांई शयन समय खेल होय । राल-गुलाल उडे ।
03-03-26	मंगल	फाग सुद-१५	होलिकोत्सव - होलिका प्रदीपन प्रातः मंगल भोग धरके सूर्योदय सूं पूर्व । दोलोत्सव - राजभोग आरती भीतर होय । पाछे दोल में बिराजे ।

तृतीय गृह अंतर्गत वर्षभर मनाये जानेवाले उत्सव एवं जन्मदिनों की सूचि

दिनांक	वार	तिथि	उत्सव
03-04-2025	गुरु	चैत्र सुद-६	श्री यमुनाजी को उत्सव
06-04-2025	रवि	चैत्र सुद-९	श्री रामनवमी व्रत - उत्सव श्री व्रजभूषणजी श्री बालकृष्णजी के तृतीय लालजी **(डबरे का साज)** विशेष रुप से ।
24-04-2025	गुरु	चैत्र वद-११	महाप्रभु श्रीवल्लभाचार्यजी को उत्सव
30-04-2025	बुध	वैशाख सुद-३	अक्षय तृतीया, चन्दन यात्रा
11-05-2025	रवि	वैशाख सुद-१४	नृसिंह जयन्ती - उत्सव श्री द्वारकेशजी श्री बालकृष्णलालजी के प्रथम लालजी **(डबरे का साज)** विशेष रुप से ।
31-05-2025	शनि	जेठ सुद-५	जन्मदिन गो. श्री पुरुषोत्तमजी (तृतीय गृहाधीश श्री वागीशकुमारजी महाराजश्री) **(कटोरे का साज)**
01-06-2025	रवि	जेठ सुद-६	उत्सव श्री पुरुषोत्तमजी श्री बालकृष्णलालजी के षष्ठ लालजी । **(डबरे का साज)** विशेष रुप से ।
05-06-2025	गुरु	जेठ सुद-१०	गंगा दशहरा, श्री यमुनाजी को उत्सव
11-06-2025	बुध	जेठ सुद-१५	ज्येष्ठाभिषेक, स्नानयात्रा
28-06-2025	शनि	अषाढ सुद-३	रथयात्रा
30-06-2025	सोम	अषाढ सुद-५	श्रीद्वारकाधीश प्रभु का पाटोत्सव (कांकरोली)
10-07-2025	गुरु	अषाढ सुद-१५	व्यास पूर्णिमा, गुरु पूर्णिमा
12-07-2025	शनि	अषाढ वद-२	हिन्दौरा आरम्भ
24-07-2025	गुरु	अषाढ वद-३०	हरियाली अमावास्या
27-07-2025	रवि	श्रावण सुद-३	ठकुरानी तीज
31-07-2025	गुरु	श्रावण सुद-७	उत्सव श्री द्वारकानाथजी । **(डबरे का साज)** विशेष रुप से ।

05-08-2025	मंगल	श्रावण सुद-११	पवित्रा एकादशी-उत्थापन/भोग संध्या में पवित्रा धरावें ।
06-08-2025	बुध	श्रावण सुद-१२	पवित्रा बारस
09-08-2025	शनि	श्रावण सुद-१५	रक्षाबंधन - रक्षा शृंगार समय में धरानी
11-08-2025	सोम	श्रावण वद-२	हिन्दौरा विजय ।
16-08-2025	शनि	श्रावण वद-८	जन्माष्टमी व्रत, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव
17-08-2025	रवि	श्रावण वद-९	नन्द महोत्सव
27-08-2025	बुध	भादरवा सुद-४	गणेश चतुर्थी
31-08-2025	रवि	भादरवा सुद-८	श्री राधाष्टमी उत्सव
03-09-2025	बुध	भादरवा सुद-११	उत्सव श्री व्रजालंकारजी श्री बालकृष्णलालजी के पंचम लालजी **(डबरे का साज)**, दान एकादशी ।
04-09-2025	गुरु	भादरवा सुद-१२	वामन जयंति
06-09-2025	शनि	भादरवा सुद-१४	अनन्त चतुर्दशी
07-09-2025	रवि	भादरवा सुद-१५	साँझी को प्रारंभ
22-09-2025	सोम	आसो सुद-१	नवरात्रि प्रारम्भ
02-10-2025	गुरु	आसो सुद-१०	विजयादशमी (दशहरा)
06-10-2025	सोम	आसो सुद-१४	शरदपूर्णिमा, रासोत्सव
17-10-2025	शुक्र	आसो वद-११	रमा एकादशी व्रत, गोवत्स द्वादशी
19-10-2025	रवि	आसो वद-१३	धन त्रयोदशी (धन तेरस)
20-10-2025	सोम	आसो वद-१४	रूप चतुर्दशी (काली चौदश), दीपावली, कानजगाई
21-10-2025	मंगल	आसो वद-३०	गोवर्धन पूजा, अन्नकूटोत्सव
22-10-2025	बुध	कारतक सुद-१	नूतनवर्षारंभ
23-10-2025	गुरु	कारतक सुद-२	यमद्वितीया, भाईदूज
30-10-2025	गुरु	कारतक सुद-८	गोपाष्टमी
31-10-2025	शुक्र	कारतक सुद-९	अक्षय नवमी, उत्सव श्री व्रजनाथजी श्री बालकृष्णलालजी के द्वितीय लालजी । **(डबरे का साज)** विशेष रुप से ।

02-11-2025	रवि	कारतक सुद-११	देवप्रबोधिनी (तुलसी विवाह) देवोत्थापन सायं भोग संध्या में ।
03-11-2025	सोम	कारतक सुद-१३	जन्मदिन गो. चि. श्री विट्ठलनाथजी (कांकरोली राजकुमार चि. श्री सिद्धांतकुमारजी) **(कटोरे का साज)**
13-11-2025	गुरु	कारतक वद-९	जन्मदिन गो. चि. श्री व्रजभूषणजी (कांकरोली राजकुमार चि. श्री वेदांतकुमारजी) **(कटोरे का साज)**
13-12-2025	शनि	मागशर वद-९	श्री विट्ठलनाथजी (श्री गुसांईजी) को उत्सव
30-12-2025	मंगल	पोष सुद-१०	उत्सव गो. श्री बालकृष्णलालजी महाराज (श्री व्रजेशकुमारजी) कांकरोली **(डबरे का साज)**
14-01-2026	बुध	पोष वद-११	मकर संक्रान्ति
23-01-2026	शुक्र	महा सुद-५	वसन्त पंचमी
01-02-2026	रवि	महा सुद-१५	पूर्णिमा, होरी दन्डारोपण
03-02-2026	मंगल	महा वद - २	उत्सव श्री व्रजभूषणजी (१९६८) **(डबरे का साज)**
08-02-2026	रवि	महा वद-७	श्रीनाथजी का पाटोत्सव, नाथद्वारा
15-02-2026	रवि	महा वद-१३	शिवरात्रि
24-02-2026	मंगल	फागण सुद-८	होलकाष्टकारम्भ
03-03-2026	मंगल	फागण सुद-१५	होलिकोत्सव (होलिका प्रदीपन प्रातः मंगल भोग धरके) दोलोत्सव (राजभोग आरती भीतर होय पाछे डोल में बिराजे)
04-03-2026	बुध	फागण वद-१	उत्सव श्री पीतांबरजी श्री बालकृष्णलालजी के चतुर्थ लालजी । **(डबरे का साज)** विशेष रुप से । द्वितीया पाट
08-03-2026	रवि	फागण वद-५	रंगपंचमी

गोस्वामी बालकन के जन्मदिन की सूचना गुर्जर मास प्रमाणे

''श्रीनाथद्वारा''

फाग. सु. ७ ति. श्री इन्द्रदमनजी
(श्री राकेशजी)
श्रीइन्द्रदमनजी के लालजी–१
मार्ग. व. ३० चि. विशालजी (चि. भूपेशजी)
श्री विशालबावा के लालजी–१
फा. कृ. ७ चि. लालगोविंदजी
(चि. अधिराजजी)

''श्रीनाथद्वारा-इन्दौर''

अषा.व. १३ श्री कल्याणरायजी
पोष सु. ५ श्री गोकुलोत्सवजी
श्रीकल्याणरायजी के लालजी–२
पौष. व. ६ चि. हरिरायजी
आश्वि. सु. ९ चि. वागधीशजी
श्रीगोकुलोत्सवजी के लालजी–१
फा. सु. ४ चि. व्रजोत्सवजी
श्रीदेवकीनन्दनजी के लालजी–१
वैशा.व.४. चि. दिव्येशजी
श्री हरिरायजी के लालजी–२
माघ शु. १३ चि. वदान्यरायजी
(श्रीगिरिधरजी)
फा. शु. ३ चि. द्विजरायजी
श्री व्रजोत्सवजी के लालजी–१
वै.शु.१२ चि. व्रजेश्वरजी (श्री उमंगजी)

''कांकरोली''

ज्येष्ठ शु. ५ श्री पुरुषोत्तमजी
(तृतीय पीठाधीश्वर कांकरोली
नरेश श्री वागीशकुमारजी)
वैशा. सु. ४ श्री पिताम्बरजी
(श्री परागकुमारजी) – सुरत
चैत्र व. ६ श्री त्रिलोकीभूषणजी
(श्रीशिशिरकुमारजी) – बुरहानपुर
श्रीपरागकुमारजी के लालजी–१
जेठ सु. १४ चि. व्रजालंकारजी
(चि. नैमिशकुमारजी) – सुरत
श्रीशिशिरकुमारजी के लालजी–१
वैशा. व. १३ चि. व्रजाभरणजी
(चि. कपिलकुमारजी) – बुरहानपुर
श्री वागीशकुमारजी के लालजी–२
कार्ति व. ९ चि. ब्रजभूषणजी
(तृ.पीठ कांकरोली युवराज
चि. वेदान्तकुमारजी)
कार्ति. सु. १३ चि. विट्ठलनाथजी
(तृ.पीठ कांकरोली राजकुमार
चि. सिद्धांतकुमारजी)
श्री कपिलकुमारजी के लालजी–१
भाद्र शु. २. चि. रणछोडरायजी
आ. सु. १० श्री रविकुमारजी (श्री हरिरायजी)
पोष सु. ५ चि. संजीवकुमारजी
श्री संजीवकुमारजी के लालजी–१
माग व. २ चि. विट्ठलनाथजी (चि. श्लोकबावा)
श्री रविकुमारजी के लालजी
श्रावण व. ३० चि. अवतंशकुमारजी
(मधुरमजी)
माघ व. ४ चि. प्रियमबावा

कार्ति. व. ४ श्री द्वारकेशकुमारजी
(श्रीब्रजेशकुमारजी के लालजी)
(षष्ठ गृह में गोद पधारे) - बडौदा

श्री द्वारकेशकुमारजी के लालजी-२

माघ व. १२ चि. वल्लभलालजी
(चि. आश्रयकुमारजी) - बडौदा
जे. सु. ८ चि. विठ्ठलनाथजी
(चि. शरणमकुमारजी) - बडौदा

श्री आश्रयकुमारजी के लालजी-१

कार्ति. व. ४ चि. श्री यदुपतिजी

''मथुरा''

अषा. सु. १४ श्री शरदकुमारजी
जेठ सु. ११ श्री प्रबोधकुमारजी

श्री अक्षयकुमार के लालजी

आश्वि. सु. १ चि. प्रणयकुमारजी

चि. शरदकुमारजी के लालजी-२

फा. व. ९ चि. गोपाललालजी
(चि. परेशकुमारजी)
कार्ति. सु. ५ चि. व्रजभूषणजी

चि. गोपाललालजी के लालजी-१

फा. व. १२ चि अक्षत बावा

चि. व्रजभूषणलालजी के लालजी-१

अश्विन सु. ४ चि. ऋषभबावा

चि. प्रबोधकुमारजी के लालजी-२

अषा सु. ८ चि. अभिषेकजी
भाद्र सु. ४ चि. रत्नेशकुमारजी

चि. प्रणयकुमारजी के लालजी-२

फाग सु. १२ चि. अलंकारजी
फा. सु. ७ चि. व्रजरायजी

चि. अभिषेकजी के लालजी-१

अषा कृ. १३ चि. रक्षितबावा

चि. रत्नेशकुमारजी के लालजी-१

वै.सु.२ चि. यदुनाथजी (अवंतशबावा)

''मथुरा''

श्रीब्रजरमणलालजी के लालजी-२

पोष व. ५ चि. प्राणवल्लभजी
भाद्र सु. ४ चि. रसिकवल्लभजी

चि. प्राणवल्लभजी के लालजी-२

कार्ति. सु. ११ चि. व्रजवल्लभजी
चैत्र व. ११ चि. जयवल्लभजी

श्री रसिकवल्लभजी के लालजी-२

मार्ग.सु.५ चि. समर्पणबावा
आश्विन सु. ६ चि. प्रागट्यकुमारजी

श्री व्रजवल्लभजी के लालजी-१

वैशाख व. ११ चि. कृतार्थबावा

''वाराणसी''

मार्ग सु. २ श्री श्याममनोहरजी
मार्ग व. ६ चि. प्रियेन्दुबावा

''कोटा-मुम्बई''

चैत्र व. ६ श्री विठ्ठलनाथजी (लालमणीजी)

श्री लालमणीजी के लालजी

श्राव. सु. ९ श्री प्रभुजी (चि. मिलनकुमारजी)

श्री मिलनकुमारजी के लालजी-१

श्रावण वद . २ चि. रणछोडलालजी
(श्री कृष्णास्य बावा)

''कोटा''

चैत्र सु. १० श्री गोपाललालजी

चि. गोपाललालजी के लालजी–२
आश्वि. व. ३ चि. व्रजालंकारजी
अषा. व. ४ चि. शरदकुमारजी

''कडी-अमदावाद''

भाद्र. व. १ श्री व्रजेशकुमारजी
माघ व. १० श्री राजेशकुमारजी
(श्री घनश्यामलालजी)
आश्वि. सु. १० श्री विजयकुमारजी
(श्री दामोदरलालजी)
चैत्र व. १२ श्री वल्लभलालजी

श्री व्रजेशकुमारजी के लालजी–३
चैत्र सु. ६ चि. पद्मनाभजी (चि. यदुनाथजी)
कार्ति. सु. १० चि. द्वारकेशजी
कार्ति सु. ७ चि. जयदेवजी

श्री राजेशकुमारजी के लालजी–२
कार्ति. सु. ७ चि. कृष्णकुमारजी
फाग. सु. ११ चि. कुंजेशकुमारजी

श्री विजयकुमारजी के लालजी–२
श्राव. व. १२ चि. हरिरायजी
जेठ व. १० चि. दर्शनकुमारजी

श्री वल्लभलालजी के लालजी–१
अषा. सु. ८ चि. प्रमेयकुमारजी

श्री यदुनाथजी के लालजी–१
पोष व. ५ चि. प्रद्युम्नजी

श्री जयदेवजी के लालजी–१
मार्ग व. १३ चि. व्रजराजजी

श्री कृष्णकुमारजी के लालजी–१
पोष व. ११ चि. व्रजपालजी

श्री कुंजेशकुमारजी के लालजी–२
मार्ग व. २ चि. गोविंदरायजी
आश्विन व. ३ चि. गोकुलमणिजी

श्री हरिरायजी के लालजी–१
माघ कृ. १३ चि. गोकुलेश्वरजी

श्री दर्शनकुमारजी के लालजी–२
जेठ व. ४ चि. व्रजाधीशजी
माघ व. ७ चि. व्रजाधीपजी

''कलकत्ता''

श्राव. सु. ७ श्री त्रिलोकीभूषणजी

श्री त्रिलोकीभूषणजी के लालजी–१
जेठ व. १ चि. राजीवलोचनजी

''अमदावाद''

कार्ति. सु. १२ श्रीव्रजनाथजी

श्रीव्रजनाथजी के लालजी–२
आश्वि. व. १० चि. मधुसुदनजी
आश्वि. सु. १ चि. व्रजाभरणजी

श्री मधुसूदनजी के लालजी–२
जेठ सु. २ चि. व्रजरायजी (निवेदनबावा)
आसो. व. १० चि. व्रजेश्वरजी
(आभूषणबावा)

''विरमगाम-अमदावाद''

आश्वि व. १४ चि. रघुनाथजी

श्री चन्द्रगोपालजी के लालजी–३
आश्वि. व. ९ चि. व्रजेन्द्रकुमारजी
श्राव व. ११ चि. कन्हैयालालजी

चि. व्रजेन्द्रकुमारजी के लालजी–१
माघ व. ६ चि. रसिकप्रीतमजी

चि. कन्हैयालालजी के लालजी–१
श्राव. व. ८ चि. गोकुलेशजी

''गोकुल''

फाग. व. १० श्री देवकीनन्दनजी
श्री देवकीनन्दनजी के लालजी–२
माघ व. ३० चि. वल्लभलालजी
फाग. सु. २ चि. विठ्ठलनाथजी

''कामवन'' (पंचमगृह)

फाग. सु. २ श्री वल्लभलालजी
कार्ति. व. १३ श्री रघुनाथलालजी
जेठ व. १४ श्री द्वारकेशलालजी (सूरत)
माघ सु. १ श्री नवनीतलालजी (भावनगर)
आश्वि. सु. ११ श्री मुरलीधरजी (मुम्बई)
श्री वल्लभलालजी के लालजी–२
भाद्र कृ. २ श्री देवकीनंदनजी (देवेशजी)
श्रावण व. १० श्री विठ्ठलेशजी (व्रजांगजी)
श्री रघुनाथजी के लालजी–२
मार्ग सु. ९ श्री गिरधरजी (ऋषिबावा)
श्रावण व. ५ श्री दामोदरजी (रविबावा)
श्री द्वारकेशलालजी के लालजी–२
कार्ति. सु. ३ चि. अनिरुद्धलालजी
अषा. व. ९ चि. कन्हैयालालजी
श्री नवनीतलालजी के लालजी–१
कार्ति. सु. १ चि. गोकुलेशरायजी
श्री मुरलीधरजी के लालजी–१
मार्ग. सु. ४ चि. जयदेवजी
श्री अनिरुद्धलालजी के लालजी–१
भाद्र व. ४ श्री गोविन्दजी
का. सु. ७ चि. गोकुलचंद्रजी

श्री कन्हैयालालजी के लालजी–१
कार्तिक सु. १० श्री जयदेवजी

''कामवन'' (सप्तमगृह)

चैत्र सु. १५ श्री रघुनाथलालजी (मुम्बई)
श्री घनश्यामलालजी के लालजी–३
अषा. सु. ११ चि. ब्रजेशकुमारजी
श्राव. व. ३ चि. गोपाललालजी
आश्वि. व. १२ चि. कल्याणरायजी
चि. गोपालालजी के लालजी–१
आश्वि. व. ४ चि. हरिरायजी
श्री हरिरायजी के लालजी–१
जेठ सु. १२ चि. कृष्णम्बावा
चि. कल्याणरायजी के लालजी–२
श्राव. व. ३. चि. अनिरुद्धलालजी
भाद्र व. १ चि. उपेन्द्रकुमारजी
श्री अनिरुद्धजी के लालजी–१
फा. कृ. ६ चि रमणजी (रसेशजी)
श्री रघुनाथलालजी के लालजी–१
माघ सु. ४ चि. योगेशकुमारजी
चि. योगेशकुमारजी के लालजी–२
जेठ व. १३ चि. व्रजोत्सवजी
श्रावण व. ३० चि. व्रजपालजी (मुदितजी)
भाद्र सु. १३ चि. शिशिरकुमारजी

''मुम्बई''

पोष व. ४ श्री मधुसूदनलालजी (चेन्नई)
अषा. सु. २ श्री श्रीकृष्णकान्तजी (बेंगलोर)
चैत्र व. ४ श्री योगेशकुमारजी (श्री यदुरायजी)
कार्ति. व. ४ श्री कमलेशकुमारजी
कार्ति. व. १३ श्री रेवतीरमणजी
(श्री रमेशकुमारजी)

मार्ग. व. ६ श्री नीरजकुमारजी
जेठ व. ६ श्री श्याममनोहरजी (कृष्णगढ)
आसो सु. ५ श्री मन्मथरायजी

श्री मन्मथरायजी के लालजी (१)

भाद्र व. १० चि. मिथुनरायजी (श्रीदीक्षितजी)

श्री मधुसूदनलालजी के लालजी-२

वैशा. सु. १० चि. कृष्णजीवनजी
पौष व. ५ चि. वल्लभदीक्षितजी

श्री किशोरचन्द्रजी के लालजी-१

श्राव. सु. ११ चि. शिशिरकुमारजी
(चि. गिरधरलालजी)

श्री जीवनेशजी के लालजी-१

अषा. सु. ११ चि. ललितत्रिभंगीजी

श्री हरिरायजी के लालजी-१

मार्ग व. ४ चि. ऋषिकेशजी

श्री मुरलीमनोहरजी के लालजी-१

आश्वि सु. ११ चि. गोपिकालंकारजी

श्री योगेशकुमारजी के लालजी-१

आश्वि. सु. १ चि. बालकृष्णजी
(चि. मिथिलेशकुमारजी)

श्री कमलेशकुमारजी के लालजी-१

फाग. व. ९ चि. मुकुन्दरायजी

श्री नृत्यगोपालजी के लालजी-२

श्राव. सु. १ चि. मनमोहनजी
अषा. व. ३० चि. हिरण्यगर्भजी

श्री रेवतीरमणजी के लालजी-१

माघ व. ६ चि. रघुनाथजी

श्री अनिरुद्धलालजी के लालजी-२

माघ व. ९ चि. प्रशान्तकुमारजी
(चि. यदुनाथजी)

श्री प्रशान्तकुमारजी के लालजी (१)

अषा. सु. ४ चि. पूर्णानन्दजी
फाग. सु. १५ चि. गोकुलनाथजी

श्री नीरजकुमारजी के लालजी-१

वैशा. व. १४ चि. गोविन्दरायजी

श्री रघुनाथजी के लालजी-२

भाद्र सु. ५ चि. गोपीनाथजी दीक्षितजी
(चि. राहुलजी)
मार्ग. सु. २ चि. नागरमोहनजी
(चि. निवेदनजी)

चि. पंकजकुमारजी के लालजी-२

मार्ग सु. ४ चि. गोकुलनाथजी
मार्ग सु. ६ चि. घनश्यामलालजी

चि. ललितत्रिभंगीजी के लालजी-२

फा. सु. ८ चि. व्रजवल्लभजी
माघ व. ७ चि. यमुनावल्लभजी

चि. ऋषिकेशजी के लालजी-२

श्राव. सु. १ वि. राजीवलोचनजी
चैत्र सु. ७ वि. रविरायजी

चि. मनमोहनजी के लालजी-१

अषा. व. १३ चि. प्रियव्रतजी

चि. हिरण्यगर्भजी के लालजी-१

अषाढ व. ११ चि. हैयंगवीनजी
आश्वि सु. ३ श्री रसिकवल्लभजी (लंडन)
चैत्र सु. ९ श्री महेन्द्रकुमारजी

श्री रसिकवल्लभजी के लालजी–१
आश्वि. सु. १३ चि. शिशिरकुमारजी
श्री शिशिरकुमारजी के लालजी–१
पोष व. ५ चि. मुरलीमनोहरजी

''बोरीवली-मुम्बई''

कार्ति व. १३ श्री श्यामसुन्दरजी
(श्रीत्रिभंगीरायजी)
चैत्र व. ११ श्री व्रजप्रियजी
श्राव. व. १३ श्री राकेशकुमारजी
श्री श्यामसुन्दरजी के लालजी–१
कार्ति. सु. ३ चि. यमुनेशजी
चि. यशोदानन्दनजी के लालजी–१
फाग. व. १० चि. नूपुरकुमारजी
श्री नुपूरकुमारजी के लालजी (१)
आश्वि. सु. ७ चि. ध्येयरायजी
(श्री मुरलीधरजी)

''अमरेली-मुम्बई''

जेठ सु. २ श्री द्वारकेशलालजी
कार्ति. सु. ७ श्री पुरुषोत्तमलालजी
श्री पुरुषोत्तमजी के लालजी–१
आश्वि. व. २ चि. अनुग्रहकुमारजी

''पूना''

चैत्र सु. ४ श्री अजयकुमारजी (चेन्नई)
श्री अजयकुमारजी के लालजी–१
भा. व. ६ चि. वागधीशकुमारजी
फाग. व. ११ श्री भरतकुमारजी
श्री भरतकुमारजी के लालजी–१
वै.व.२ चि. यशोवर्द्धनजी

''सूरत''

अषा. व. ३ चि. गोपेशकुमारजी
पोष व. ३ चि. मुकुन्दरायजी
माघ व. ५ श्री कल्याणरायजी
मार्ग सु. ११ श्री वल्लभलालजी
चैत्र सु. ११ श्री मथुरेशजी
पोष व. ५ श्री प्रभुजी
श्री गोपेश्वरजी के लालजी–१
फा. व. ९ चि. वत्सलरायजी
श्री वल्लभलालजी के लालजी–१
आश्वि. सु. १ चि. अनुरागजी
श्री अनुरागजी के लालजी–१
आसो. व. ७ चि. पुरुषोत्तमजी
श्री मथुरेशजी के लालजी–२
भाद्र सु. ६ चि. योगेशकुमारजी
भाद्र व. २ चि. धुमिलकुमारजी
चि. धुमिलकुमारजी के लालजी–१
कार्ति व. २. चि. व्रजरायजी

''जामनगर-चापासेनी''

जेठ सु. ५ श्री हरिरायजी
फाग. व. १४ श्री व्रजरत्नजी (नडियाद)
पोष सु. ९ श्री नवनीतलालजी
अषा. सु. ८ श्री बालकृष्णलालजी
श्री विट्ठलेशरायजी के लालजी–३
अषा. सु. १५ चि. मुकुटरायजी
चैत्र सु. १२ चि. शरदकुमारजी
फागण सु. १५ चि. उत्सवजी
श्री हरिरायजी के लालजी–१
मार्ग व. १२ चि. वल्लभलालजी

श्री व्रजरत्नजी के लालजी–१

आसो सु. ७ चि. गोकुलोत्सवजी

श्री नवनीतलालजी के लालजी–१

जेठ सु. १० चि. अंजनरायजी

श्री बालकृष्णजी के लालजी–१

पोष सु. १ चि. प्रियांकजी

श्री रसिकरायजी के लालजी (२)

आश्वि. सु. ६ चि. पुरुषोत्तमलालजी

कार्ति. सु. ४ चि. गोपेशरायजी

श्री उत्सवरायजी के लालजी (२)

''पोरबन्दर''

वैशा. सु. ७ श्री हरिरायजी

श्री हरिरायजी के लालजी–१

भाद्र. सु. ११ चि. जयवल्लभजी
(जय गोपालजी)

''मथुरा-पोरबन्दर''

मार्ग. व. १० श्री रसिकरायजी

माघ व. ८ श्री श्याममनोहरजी
(श्री जयदेवलालजी)

माघ व. ५ श्री अभिषेककुमारजी

वैशा. सु. ३ श्री अक्षयकुमारजी

श्री रसिकरायजी के लालजी–१

वैशा. व. १० चि. चन्द्रगोपालजी

श्री मधुरेशजी के लालजी–२

माघ व. १२ चि. बसन्तकुमारजी

कार्ति. सु. ६ चि. भरतकुमारजी

चि. चन्द्रगोपालजी के लालजी–१

अषा. सु. ७ चि. मिलनकुमारजी

चि. बसन्तकुमारजी के लालजी–१

श्रा. व. १२ चि. कृष्णरायजी

चि. अभिषेककुमारजी के लालजी–१

चैत्र व. ११ चि. द्वारकेशलालजी

चि. अक्षयकुमारजी के लालजी–१

कार्ति. सु. ६ चि. रमणेशजी

चि. मिलनकुमारजी के लालजी–३

मार्ग. सु. ८ चि. गोकुलनाथजी

आश्वि. व. ६ चि. विठ्ठलेशरायजी

आश्वि. शु. ११ चि. मथुरेशजी

''राजकोट-खंभालीया-बोरीवली''

पोष सु. १३ श्री वल्लभलालजी

श्री वल्लभलालजी के लालजी–३

वैशा. सु. १३ चि. राजीवलोचनजी

मार्ग सु. २ चि. गोविन्दरायजी

जेठ सु. १५ चि. गोपिकालंकारजी

चि. राजीवलोचनजी के लालजी–३

अषा. व. ५ चि. देवकीनन्दनजी
(चि. भागवतजी)

जेठ सु. ४ चि. कुंजरायजी (चि. योगेन्द्रजी)

श्राव. व. चि. गिरधरजी

श्री गोविंदरायजी के लालजी–१

श्रावण सु. २ चि. मधुसूदनजी
(रुचिरबावा)

चि. गोपिकालंकारजी के लालजी–१

फाग. सु. २ चि. द्वारकेशलालजी

चि. देवकीनन्दनजी के लालजी–१

चैत्र व. ११ चि. दीक्षितजी (चि. वेदांगजी)

''जूनागढ''

श्राव. व. ३ श्री दानीरायजी

श्री दानीरायजी के लालजी–४

कार्ति. सु. ५ चि. पुरुषोत्तमजी

अषा. व. ११ चि. व्रजेन्द्रकुमारजी

कार्ति. सु. १५ चि. विशालकुमारजी

श्री व्रजेन्द्रकुमारजी के लालजी–२

भाद्र. व. १ चि. व्रजनाथजी (शशांकबावा)

आ. व. १३ चि. मधुरेशजी (मृदुलुबावा)

वैशा. सु. ६ श्री किशोरचन्द्रजी

श्री किशोरचन्द्रजी के लालजी–१

कार्ति. व. ४ चि. ब्रजेन्द्रजी

श्री व्रजेन्द्रकुमारजी के लालजी–२

कार्ति. व. २ चि. व्रजवल्लभजी

पोष व. ७ चि. पुण्यश्लोकजी

''वेरावल''

माघ सु. ८ श्री माधवरायजी

मार्ग सु. ९ श्री चन्द्रगोपालजी

अषा. व. १४ श्री शैलेन्द्रकुमारजी
(श्री शरदकुमारजी)

श्री माधवरायजी के लालजी–१

अषा. व. ४ चि. मुरलीधरजी

श्री चन्द्रगोपालजी के लालजी–१

श्राव. व. ८ चि. अनिरुद्धलालजी

श्री शैलेन्द्रकुमारजी के लालजी–१

श्राव. सु. ३ चि. लाडलेशजी

''मांडवी''

माघ व. ९ श्री अनिरुद्धलालजी

श्री दामोदरलालजी के लालजी–१

वैशा. सु. १४ चि. रविन्द्रजी
(चि. रणछोडलालजी)

श्री अनिरुद्धलालजी के लालजी–१

वैशा. सु. १४ चि. रसिकरायजी
(चि. शरदकुमारजी)

श्री चिमनलालजी के लालजी–२

अषा. व. ६ चि. चन्द्रगोपालजी

कार्ति सु. ४ चि. भूषणजी

श्री मुरलीमनोहरजी के लालजी–१

आश्वि. व. ७ चि. व्रजवल्लभजी

चि. रविन्द्रजी के लालजी–१

फाग. व. १३ चि. गोकुलनाथजी

चि. रसिकरायजी के लालजी–१

श्रावण व. ७ चि. अचिन्त्यजी

चि. चन्द्रगोपालजी के लालजी–२

कार्ति. सु. १२ चि. अन्वयजी

श्रावण सु. ५ चि. प्रत्ययजी

चि. भूषणजी के लालजी–२

फा. व. ३. चि. अव्ययजी

कार्ति. सु. ८ चि. गोपालजी

आ. व. ७ श्री सारंगजी (वडोदरा)

श्री सारंगजी के लालजी–१

फा. सु. १४ चि. घनश्यामजी
(उत्सवबावा)

।। श्री द्वारकेशो जयति ।।

।। श्रीशस्तवनम् ।।

(भुजंगप्रयातः छंद)

वपुर्धारिनीलं जगद्व्यापिलीलं, गवांगोष्ठपालं ब्रजे गोपबालम् ।
सुवेणोर्निनादं रणे शंखनादं, शरण्यस्य पादं भजेऽहं भजेऽहम् ।।१।।

वने गोपिकेशं व्रजे गोपवेशं, हि गोवर्द्धनेशं मनोहारिकेशम् ।
प्रियं गोकुलेशं मुदा विठ्ठलेशं, सुवृन्दावनेशं भजेऽहं भजेऽहम् ।।२।।

सुमुक्तादिमालं च दुष्टस्य कालं, स्वकीयस्य पालं सदानंदबालम् ।
शरच्चन्द्रमांगं च गव्यप्रियांगं, स्मरं मोहनांगं भजेऽहं भजेऽहम् ।।३।।

गदा शंख चक्रं करे दानमुद्रां सुकंठे मणिं चारुहासस्य मुद्राम् ।
महच्चक्रवर्त्तीश द्वारावतीशं मुदा राधिकेशं भजेऽहं भजेऽहम् ।।४।।

वनाख्यां च मालां दधानं नरेशं सुरेशादिवंद्यं स्वरूपं रसेशम् ।
सदारासरासेश्वरीमण्डलेशं निजानां विशेषं भजेऽहं भजेऽहम् ।।५।।

किरीटं धरन् चापि राजेन्द्ररूपं निजानां मनोमोहनं यस्य रूपम् ।
सदामोहनं सेवने दिव्यरूपं चतुर्बाहुरूपं भजेऽहं भजेऽहम् ।।६।।

निजानंद रूपे परब्रह्मपूर्णं मुदा मुक्तिदानाय भक्तेषु तूर्णम् ।
अहंकार विद्वेष युक्तेन सूर्णं स्वभक्तारि धूर्णं भजेऽहं भजेऽहम् ।।७।।

सदैव व्रजानन्द रूपं हि कृष्णं स्वभक्तायदृग्मोचराभाव तृष्णम् ।
निजानां हि कष्टे स्थितो यस्तु पृष्ठे मुदा द्वारकेशं भजेऽहं भजेऽहम् ।।८।।

इदं देवदेवस्य दिव्यस्तुतिं यः पठेच्छीघ्रमेव प्रपत्तिं लभेत्सः ।
कृपालुप्रभोर्द्वारकेशस्य भक्तिं लभेयुर्जनाः भावतो ये पठन्ति ।।९।।

।। इति श्रीमद् व्रजभूषणदेशिकेन्द्रात्मजेन व्रजेश्वरेण कृतं
श्रीशस्तवनं पूर्णतामगात् ।।

टिप्पणी

टिप्पणी

टिप्पणी

दिन का चोघडिया - लाभ अमृत चल एवं शुभ शुभ होते हैं ।

रविवार	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग
सोमवार	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत
मंगलवार	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग
बुधवार	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ
गुरुवार	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ
शुक्रवार	चल	लाभ	अमृत	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल
शनिवार	काल	शुभ	रोग	उद्वेग	चल	लाभ	अमृत	काल

रात का चोघडिया - काल रोग उद्वेग अशुभ होते हैं ।

रविवार	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ
सोमवार	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल
मंगलवार	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल
बुधवार	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग
गुरुवार	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत
शुक्रवार	रोग	काल	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग
शनिवार	लाभ	उद्वेग	शुभ	अमृत	चल	रोग	काल	लाभ

॥ श्री द्वारकेशो जयति ॥

श्रीमद् वल्लभाचार्य तृतीय गृह (पीठ) - कांकरोली

प्रकाशक

श्री पुष्टिमार्गीय तृतीय पीठ प्रन्यास

श्री विद्या विभाग – कांकरोली

श्री द्वारकाधीश मन्दिर, तृतीय पीठ प्रन्यास,
मंदिर मार्ग, काँकरोली - 313324 जि. राजसमंद (राजस्थान)
फोन : (02952) 230001, 230256

e-mail : dwarkadhishji@yahoo.com